











# भाजपा ने चिराग पासवान पर लगाया बड़ा दंव

आगामा लाक्सभा चुनाव के लिए बाजपा न बिहार एनडीए में चिराग पासवान पर बड़ा दांव लगाया है और उनके चाचा पशुपति पारस को किनारे लगा दिया है। बिहार में एनडीए ने सीटों के बटवारे का ऐलान कर दिया है। बीजेपी के खाते में सबसे अधिक 17 सीटें आई हैं। लोजपा प्रमुख पशुपति पारस को गठबंधन को कोई तवज्जों नहीं मिली और उन्हें एक भी सीट नहीं दी गई है। उन्होंने मोदी कैबिनेट से इस्तीफा भी दे दिया। दरअसल पशुपति पारस भतीजे चिराग को बीजेपी से मिल रही तवज्जो से लगातार असहज महसूस कर रहे थे। कुछ दिन पहले उन्हें इस बात की भनक लग गई थी कि उनकी पार्टी को एनडीए में एक भी सीट नहीं मिलने जा रही है। इसके बाद पशुपति कुमार पारस पार्टी की संसदीय बोर्ड की बैठक बुलाई। बैठक के बाद उन्होंने कहा, हम बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से आप्रह करते हैं कि हमारे पांचों सांसदों पर विचार करें। हम सूची का इंतजार करेंगे। इतना ही नहीं उन्होंने धमकी भरे अंदाज में कहा, अगर हमें उचित सम्मान नहीं दिया गया, तो हमारी पार्टी स्वतंत्र है और हमारे दरवाजे खुले हैं। हम कहीं भी जाने को तैयार रहेंगे। अब जब सीटों के बटवारे का ऐलान हो गया है तो उनकी नाराजी भी खुलकर सामने आ गई। बताया जा रहा है कि इस फैसले के बाद ही पशुपति पारस नाराज हैं और महागठबंधन के साथ जाने की संभावनाओं पर भी विचार कर रहे हैं। चिराग पासवान को इस बार पांच लोकसभा सीटें मिली हैं जिनमें वैशाली, हाजीपुर, समस्तीपुर, खगड़िया और जमुई शामिल हैं। ये सभी सीटें लोजपा के पास हैं जिसके मुखिया पशुपति पारस हैं। दरअसल रामविलासपासवान के बाद लोजपा के दो गुट हो गए। जिनमें एक गुट के मुखिया पशुपति पारस हैं और दूसरे गुट के मुखिया चिराग पासवान हैं। चिराग पासवान फिलहाल खुद जमुई से सांसद हैं। वहीं लोजपा के अन्य सांसदों की बात करें तो हाजीपुर सीट से पशुपति पारस, खगड़िया से महबूब अली कैसर, वैशाली से वीना देवी और समस्तीपुर से प्रिंस राज राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के सांसद हैं। दरअसल, ये सारा खेल एक सीट पर लड़ने की जिद के कारण बिगड़ गया। पशुपति पारस हाजीपुर सीट मांग रहे थे, जबकि यहीं सीट चिराग पासवान भी मांग रहे थे। हाजीपुर वहीं सीट है, जहां से चिराग के पिता रामविलास पासवान 9 बार लोकसभा सांसद रहे थे। 2019 में पशुपति पारस यहां से पहली बार चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे थे। दिवंगत रामविलास पासवान वैसे तो 1969 में राजनीति में आ गए थे। लेकिन पूरे देश ने उनका नाम 1977 में तब सुना, जब उन्होंने यहां रिकॉर्ड बना दिया। 1977 के चनाव में रामविलास पासवान ने जनता पार्टी के टिकट पर

1997 के चुनाव में उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार को सवा चार लाख वोटों के अंतर से हरा दिया था। ये पहली बार था जब किसी नेता ने इतनी बड़ी जीत हासिल की थी। ये जीत इतनी बड़ी थी कि उनका नाम गिनीज बुक में भी दर्ज किया गया। इसके बाद हाजीपुर सीट पर रामविलास पासवान का दबदबा बन गया। 1984 और 2009 का चुनाव छोड़कर वो बाकी सभी चुनावों में यहां से जीते। वो यहां से 9 बार सांसद रहे। आखिरी बार रामविलास पासवान ने 2014 में यहां से लोकसभा चुनाव लड़ा। इसके बाद वो राज्यसभा में चले गए। 2019 में उनके छोटे भाई पशुपति पारस यहां से सांसद बने। हाजीपुर सीट से रामविलास पासवान नौ बार सांसद रहे हैं। हाजीपुर सीट रामविलास पासवान की पहचान से जुड़ी है। रामविलास पासवान खुद को दलितों का बड़ा नेता साबित करने में कामयाब रहे थे। और इसी के बूते उन्होंने साल 2000 में अपनी खुद की लोक जनशक्ति पार्टी भी बनाई। बिहार से निकलकर रामविलास ने दिल्ली तक अपनी पहुंच बढ़ाई। जब वो केंद्र में रेलमंत्री थे, तब उन्होंने हाजीपुर में रेलवे का रीजनल ऑफिस भी खुलवाया। इससे उनकी छवि काम करवाने वाले नेता की बन गई। लेकिन अब जब रामविलास पासवान नहीं हैं, तो उनकी हाजीपुर सीट पर चाचा पशुपति पारस और भतीजे चिराग ने दावा ठोक दिया। पशुपति पारस यहां से मौजूदा सांसद हैं, जबकि चिराग अभी जमुई सीट से सांसद हैं। रामविलास पासवान की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए ही दोनों हाजीपुर सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं। अब चूंकि साफ हो गया है कि पशुपति पारस को एनडीए ने ये सीट नहीं दी है। पशुपति पारस कई मौकों पर कह चुके हैं कि वो किसी भी कीमत पर हाजीपुर सीट से कोई समझौता नहीं करेंगे। बताया जाता है कि एनडीए उन्हें समर्पितीपुर सीट देने को तैयार था, लेकिन पशुपति हाजीपुर की जिद पर ही अड़े रहे। और आखिरकार यहीं जिद उन पर भारी पड़ गई।

चुनावी परिदृश्य को जीवंत बनाती है तथा नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप पहुंच और उत्तरदायित्व को बढ़ावा देती है। पहली बार मतदाता बने युवाओं की लोकतंत्र के उत्सव में बड़ी भूमिका

नीरज चोपड़

## ਖਿਲਾਡੀ

चुनाव लोकतंत्र का आधार होता है, जो नागरिकों को अपने प्रतिनिधियों को चुनने का महत्वपूर्ण अधिकार देता है। हालांकि, यह अधिकार निश्चिय नहीं है, चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल होना एक कर्तव्य है, विशेषकर युवाओं का। ऐतिहासिक रूप से, युवाओं ने सामाजिक परिवर्तन का नेतृत्व किया है और चुनावों में उनकी भागीदारी महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए, मतदाता पंजीकरण से लेकर जमीनी स्तर पर प्रचार अभियान तक के प्रत्येक चरण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता होती है। पहली बार के मतदाता नए ट्रॉटिकोण के साथ पारदर्शिता और समावेश जैसे आदर्श लेकर आते हैं।

**खिलाड़ी** अपने समर्पण, दृढ़ता और टीम भाव के माध्यम से देश की सेवा करते हैं। चुनाव सबसे जीवंत लोकतंत्र के एक अभिन्न अंग के रूप में है खिलाड़ी और युवा भारतीय एक और विशेषाधिकार का आकंक्षा करते हैं-वह है मतदान। चुनाव लोकतंत्र व आधार होता है, जो नागरिकों को अपने प्रतिनिधियों को चुनने का महत्वपूर्ण अधिकार देता है। हालांकि, यह अधिकार निष्प्रक्रिय नहीं है, चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल होना एक कर्तव्य है, विशेषकर युवाओं का। ऐतिहासिक रूप से, युवाओं ने सामाजिक परिवर्तन का नेतृत्व किया है औ उन्होंने भागीदारी में उनकी भागीदारी महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र व मजबूत करने के लिए, मतदाता पंजीकरण से लेकर जमीन स्तर पर प्रचार अभियान तक के प्रत्येक चरण में युवाओं का सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता होती है। पहली बार मतदाता नए दृष्टिकोण के साथ पारदर्शिता और समावेशी जैसे आदर्श लेकर आते हैं। एक युवा मतदाता की ऊर्जा और तकनीकी-प्रेरणी प्रकृति, चुनावी परिदृश्य को जीवंत बनाती है तथा नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप पहुंच औ उत्तरदायित्व को बढ़ावा देती है। युवा निर्वाचित प्रतिनिधियों को जवाबदेह बनाने एवं जनता से जुड़े मुद्दों का समर्थन करना आवाज उठाने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा इस प्रकार लोकतंत्र का महत्व और इसके प्रति निष्ठा की रक्षा करते हैं। महात्मा गांधी के शब्दों में, "भविष्य इस पर निर्भर करता है कि आप आप क्या करते हैं।" लोकतंत्र का पहिया एक बार फिर से धूम राज है, भारत में आम चुनाव, 2024 की तैयारी चल रही है, ऐसे में राष्ट्र के भाग्य को स्वरूप देने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया जाना जरूरी है। अपने मासिनिक रेडियो कार्यक्रम "मन की बात" में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चुनावी प्रक्रिया में युवाओं की सहभागिता के महत्व पर जोर दिया और पहली बार मतदाता बने युवाओं के लिए लक्षित निर्वाचन आयोग के "मेरा पहला वोट देश के लिए" अभियान के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने भारत

युवाओं के जोश और उत्साह की सराहना की तथा उन सक्रिय रूप से मतदान में भाग लेने की अपील की व्याप्ति देश के भविष्य पर इसका प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। पहली बार मतदाता बने युवाओं से रिकॉर्ड संख्या में भाग लेने की अपील करते हुए, उन्होंने देश को नियत को आकार देने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। प्रधानमंत्री श्री मोदी विभिन्न सेक्टरों से जुड़े प्रभावशाली लोगों से अभियान शामिल होने तथा सामाजिक बदलाव को प्रेरित करने उनकी प्रभावी भूमिका को स्वीकार करते हुए युवा मतदाताओं को प्रोत्साहित करने की अपील की। चुनाव माहील के बीच, उन्होंने युवाओं से न केवल राजनीतिक कार्यकलापों में भाग लेने का आग्रह किया बल्कि वर्तमान जारी चर्चाओं और वहसों के बारे में भी जानकारी रखने वाली अपील की। भारतीय निर्वाचन आयोग चुनावों में युवाओं वाला सार्वजनिक प्रबुद्ध सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य 'मेरा पहला वोट देश के लिए' अभियान चला रहा है। केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने अभियान गीत लॉन्च किया जो युवा मतदाताओं को उनके लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने की देश की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह अभियान गीत मतदाता जगरूकता का अभियान का एक हिस्सा है जो चुनावी प्रक्रिया में युवाओं व अधिक से अधिक भागीदारी के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी व अपील की भावना का प्रतीक है। देश भर के युवा इस अभियान गीत को अपने युवा मित्रों को मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करने के आह्वान के रूप में अपना रहे हैं। इस पहल के तहत उच्च शिक्षा संस्थान (एचईआई) देश भर

दृष्टि काण

**सरकार** मशानरा डड के जार से काम करती है। इसका उदाहरण चुनावी बांड के खुलासे से हो गया। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने इसमें सामग्री को टारकाने के प्रयास किए किन्तु

सुप्रीम कोर्ट के सामने दाल नहीं गल सकी। बांड के जरिए चुनावी चंदा देने वाले उद्योगपतियों के नाम और राशि छिपाने के एसबीआई के सारे प्रयासों पर सुप्रीम कोर्ट ने पानी फेर दिया। एसबीआई की मंशा थी कि इस चंदे के मामले का खुलासा जून महीने के बाद किया जाए, ताकि लाकसभा चुनाव सम्पन्न होने के बाद इस मामले को आने वाली केंद्र सरकार संभाल सके। एसबीआई ने इस बांड खुलासे की अवधि को लंबा खींचने के लिए कई तरह के बहाने बनाए। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में साफ कह दिया कि यदि निर्धारित तारीख तक इसकी जानकारी चुनाव आयोग को नहीं दी गई और चंदे का ब्यौरा सार्वजनिक

पहला माका नहा ह जब किसास मारकारा विभाग  
ने कोर्ट के भय के मारे घोड़े की गति से काम  
किया है। कोयला घोटाले की स्टेट्स रिपोर्ट के  
मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो इसका दूसरा बड़ा  
उदाहरण है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में  
कानून मंत्री और पैषमओ की दखल अंदाजी  
को लेकर नाराजगी जाहिर की थी। नाराजगी  
जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख शब्दों में कहा  
था कि सीबीआई के कई मास्टर हैं और जांच  
एजेंसी पिंजड़े में कैद तोते जासी है। सरकार को  
फटकार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि  
जब सीबीआई स्वतंत्र ही नहीं है तो वो निष्पक्ष  
जांच कैसे कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा  
कि सीबीआई वो तोता है जो पिंजरे में कैद है  
जबकि सीबीआई एक स्वायत्त संस्था है और  
उसे अपनी स्वायत्तता बरकरार रखनी चाहिए।  
सीबीआई को एक तोते की तरह अपने मास्टर  
की बातें नहीं दोहरानी चाहिए। एसबीआई ने  
भी सीबीआई की तरह व्यवहार किया है। इस  
पर सुप्रीम काउंट का सख्ता दिखान पर विभाग  
होना पड़ा। एसबीआई फिर भी होशियारी तिर  
रही है। अदालत ने बैंक से पूछा है कि बैंक  
नंबरों का खुलासा क्यों नहीं किया। बैंक  
अल्फा न्यूमिरिक नंबर बताये नहीं बता  
अदालत ने एसबीआई को बॉन्ड नंबर  
खुलासा करने का आदेश दिया है। अदालत  
का आदेश है कि सील करव में खाल गया जा  
चुनाव आयोग को दिया जाए, क्योंकि उन  
इसे अपलोड करना है। अदालत ने कहा  
बॉन्ड खरीदने और भुनाने की तारीख बता  
चाहिए थी। दरअसल यूनिक आईडी हर  
बॉन्ड का यूनिक नंबर होता है। इसके ज  
आसानी से वह पता लगाया जा सकेगा  
आखिर किस कंपनी या व्यक्ति ने किस प  
को चंदा दिया है। चंदा देने वाले और चंदा  
वालों की सभी जानकारी एक ही स्थान  
उपलब्ध रहेगी। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट  
कहना है कि बॉन्ड नंबरों से पता चल सके

डर कर काम करता है सरकारी तंत्र

## विद्यार्थियों के लिए फिटनेस कार्यक्रम

१३

6

मैं निठल्ला नहीं बैठा हूँ...

**दाखए** जनाव ! मुझ पर आप लाख हैं, लेकिन यह आरोप बिल्कुल नहीं लगा सकते कि मैं कुछ कर्ता-धर्था नहीं हूँ और निठल्ला बैठा सरकार की सब्सिडी खाता रहता हूँ। ऐसा आरोप मैं बिल्कुल नहीं सुन सकता। पचास-साठ लोग एक साथ मिलकर कहें तो भी नहीं सुन सकता। पहली बात तो यह है कि मेरे सारे खाते सील हैं। उनमें सब्सिडी आ ही नहीं सकती। दूसरा, मेरे पास सब्सिडी खाने की फुर्सत ही नहीं है। मैंदिन-रात व्यस्त ही बहुत रहता हूँ और ऊपर से आप यह तोहमत लगा रहे हैं कि मैं निठल्ले बैठा रहता हूँ। ऐसा भला ही भी कैसे सकता है ? जिस तरह देश आजाद होने के बाद सेलीडर लोग निठल्ले नहीं बैठे हैं, धर्म के टेकदार निठल्ले नहीं बैठे हैं, कवृत्तरबाज निठल्ले नहीं बैठे हैं, जमाखोर निठल्ले नहीं बैठे हैं, कुछ न कुछ कर ही रहे हैं, उसी तरह मैं भी निठल्ले थाई बैठा हूँ। कोई शक है तो मेरी आउटपुट देख लो। जब से इस दुनिया में आया हूँ, कुछ न कुछ कर ही रहा हूँ। चाहो तो थानों का रिकॉर्ड चेक कर लो। विजिलेंस वालों से पूछ लो। गुंडों, बाहुबलियों से पुष्टि करवा लो। छतीस सौ मामले मेरे खिलाफ चल रहे हैं। पचासों एफआईआर दर्ज हैं। दर्जनों घोटाले किए हैं। छेड़खानों के मामले अलग से हैं। यहां तक कि सरकारी रिकॉर्ड से छेड़छाड़ करने में भी कहीं कोई कसर बाकी नहीं रखी। आम आदमी से पूछ कर देख लो। वह ही आपको बता देगा कि हमने डंके की चोट पर फलां फलां की जमीन पर अवैध कब्जे कर रखे हैं और फलां फलां को झूटे मामलों में अंदर करवा रखा है। इन्हें सारे काम निठल्ले बैठकर थोड़ी हो सकते हैं। कमाल है। फिर भी आप मुझ पर शक कर रहे हैं कि मैं निठल्ला बैठा हूँ। कुछ कर नहीं रहा। क्या जो मैंने अब तक किया, वह किसी काम की श्रेणी में नहीं आता ? क्या निठल्ला आदमी

शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो, क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल संतंभ स्पीड, सट्रैथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रायोगिक प्रशिक्षण भी उसी उम्र में शुरू करना होता है। शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों वें पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है, मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पाई है। इस कॉलेज के माध्यम से कई बार इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है।

वषा संस्कूला स्वर पर  
शुरू करने की बात  
माध्यम से हो रही है, मगर हिमाचल  
प्रदेश करकरी यानिजी स्कूल अपने यहाँ किटबॉ  
करने में नाकाम रहा है। कई बार एशियन  
वर्ल्म हो गए, मगर किटनेस कार्यक्रम का  
यात्रा है। मगर इस वर्ष हिमाचल प्रदेश  
विद्यालयों में विद्यार्थियों की समान्यता  
महले की तरह अनिवार्य रूप से ड्रिंग  
प्रावधान किया है। शिक्षण विषयों के बिना  
स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी  
इस स्कूल में अनिवार्य रूप से हो, क्यों  
कि शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य वे  
संस्कृत, इंडोरेंस व लचक आदि का प्रावधान  
उसी उम्र में शुरू करना होता है।  
शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के  
नास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है,  
मगर स्वास्थ्य के घटकों को  
विकसित करके उनका मूल्यांकन  
करने की कोई भी सुविधा आज तक  
उपलब्ध नहीं हो पाई है। इसकॉलम  
के माध्यम से कई बार इस विषय पर स्वरूप  
को चेताया जा चुका है, मगर कोई ऐसी  
नियमान्वयन नहीं है। किसी भी देश को इस  
महामारी से नहीं होती है, जितनी तबाही  
सकती है। आज जब देश के अन्य राज्य  
प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं है,  
आफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दू  
के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है,  
स्कूल प्रबंधन व अधिकारकों को इस  
कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिए।  
केशोरावस्था में नशे से बच जाता है तो  
आते-आते समझदार हो गया होता  
परिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर  
विभिन्न विधाओं में व्यस्त रखने के साथ  
किटनेस की तरफ मोड़ता बेहद जल्दी  
ना सर्वांगीन विकास शिक्षा के बिना ३  
परिभाषा में साफ-साफ लिखा है कि  
जनसिक दोनों तरह से बराबर विद्या  
करना है जिससे वे आगे चलकर जीवन

माध्यम स फिटनेस का योग्यक्रम बहुत जरूरा हा जोत ह। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरकी में देश का अग्रणी राज्य रहा है। खेलों में उत्कृष्टा उस प्रदेश की तरकी का खुशहाली का भी पैमाना होती है। पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ-साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब थीरेधीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड़ा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने पश्चियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाड़ियों को करोड़ों रुपए के नगद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी दिकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उत्पुक्त वातावरण तैयार किया है। उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है। हिमाचल प्रदेश में भी पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश की खेलों के लिए अपने पहले कार्यकाल से ही कई महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्लॉफील्ड, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा देश में प्रशिक्षक केंडर डाईग्हा हो जाने के बाद पहली बार प्रशिक्षकों की भर्ती जैसे बहुत बड़े खेल सुधार किए। हिमाचल प्रदेश की खेल सुविधाओं का प्रयोग राज्य में स्वास्थ्य व खेलों के लिए बड़े स्तर पर करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना है। रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गए हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकारियां आवादी गांव में रहती थी। वहां पर सवेरे-शाम वर्षों पहले विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ कृषि व अन्य घरेलू कार्यों में सहायता करते थे। छात्र विद्यालय आने-जाने के लिए कई

**भारत** के पूर्व राष्ट्रपति तथा रामनाथ कावद का अध्ययन समिति ने 'एक देश, एक चुनाव' पर अराष्ट्रपति द्वारा पढ़ी मुर्म को सौंपा दी है। यह रपट व्यापक विमर्श का महान् है, लिहाजा यह संदेह करना कि देश में एक ही पार्टी काम करेगी या बाद देश में चुनाव ही नहीं होगे, फिजूल और पूर्ववर्ग है। करीब दौरान 65 बैठकें की गईं, 11 रपटों का अध्ययन किया गया और लोगों से बातचीत कर उनकी राय ली गई। उनमें से 80 फीसदी लोग 'एक देश, एक चुनाव' के समर्थन में थे। विशालाकाय रपट पन्नों की है। गैरीतल बह यह है कि देश के चार पूर्व प्रधान न्यायाधीशों द्वारा दीपक मिश्र, रंजन गोपाल, शरद अरविंद और यूद्धललित- ने 'एक देश' का समर्थन किया है। उच्च न्यायालय के 12 पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने इसकी तीन ही विवरण में थे। जाहिर है कि कानून और संविधान के विप्रवर्ण बहुमत 'एक चुनाव' के पक्ष में है। समिति ने 47 राजनीतिक पक्ष भी जाना, तो 15 दलों ने विवरण जताया। उनमें कांग्रेस, सीपीएस, आप सरीखे राष्ट्रीय दलों समेत तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, सीपीआर की पार्टी, एमडीएमके, नाा पीपुल्स फ्रंट, सीपीआई (एमएल) आदि क्षेत्रीय दल भी नई व्यवस्था के खिलाफ हैं। जाहिर है कि सत्ता-पक्ष भाजपा-एनडीए के विवरणों हैं, तेकिंन क्या 32 राजीवीय उदलों के समर्थन को खारिज किया जा सकता है? याद रहे कि कांग्रेस समय देश पर राज कर रही थी, जब 'एक चुनाव' ही होते थे। लोकविधानसभा ओं के चुनाव एक साथ कराए जाते थे। यह दीपार संसाधन कम चाहिए थे और मतदान मतपत्रों के जरिए होते थे। उनमें आम चुनाव में ही 10 लाख से अधिक इवीएम लगाई जाती है और 10 से ज्यादा कर्मचारी चुनाव इयूटी देते हैं। सुरक्षा बलों की तीनाई इसी है। जाहिर है कि 'एक चुनाव' की स्थिति में इवीएम ही 40 लाख चाहिए और सिफंदों के पंचियां ही देश में इवीएम बनाती हैं। उनका औसत भी 4 लाख सालाना से कम है। चूंकि नई व्यवस्था 2025 चुनाव से लागू करने की बात कही जा रही है, लिहाजा यह इतनी रासान व्यवस्था नहीं होगी कि देश में 'एक चुनाव' ही होने लगे। महत्वपूर्ण और अनिवार्य तो यह है कि 'एक चुनाव' को शुरू कर संविधान में 18 संशोधन करने होंगे। संसद में कोई भी संविधान दो-तिहाई बहुमत, यानी 362 संसदों के समर्थन, से ही संभव हो। हालांकि कुछ संशोधनों के लिए 50 फीसदी राज्यों की सहमति नहीं है। स्थानीय निकाय चुनाव के लिए मतदाता सूची तैयार अधिकार चुनाव आयोग का है। इसके लिए अनुच्छेद 325 में करना होगा। अनुच्छेद 324-ए में बदलाव करते हुए नियमों और के चुनाव भी आम चुनाव के साथ कराए जाएंगे। अनुच्छेद 368-एसे संविधान संशोधन बिल को 50 फीसदी राज्यों की सहमति होगी। इसी तरह विधानसभा वाले संघशासित क्षेत्रों के लिए संविधान संशोधन बिल पारित कराने होंगे। दरअसल देश की अ

બાળ કા

બાળાદ્ય

## एक देश, कई चुनाव







टीएमसी नेता मुख्तार ने जनसंपर्क पदाधिकारी को दी बधाई



**धनबाद(प्रभात मंत्र संचादनात)** : टीएमसी झारखण्ड अल्पसंख्यक प्रकाष्ठा के प्रदेश अध्यक्ष मुख्तार अहमद ने नवनियुक्त मीडिया काण्डग के नेतृत्व पदाधिकारी सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह को पुष्पाञ्चं घोंट कर उनका काफी गर्मजोशी से सांसाग एवं अंभन्दन किया। साथ ही उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। श्री खान ने बताया कि इन मुलाकात के दौरान कई विषयों पर चर्चा हुई। कहा की जनसंपर्क पदाधिकारी से मिल कर उन्हें काफी अच्छा लगा। व काफी मृदुभाषी और अच्छे स्वभाव के धनी हैं।

## भाजपा कार्यकर्ता को पुत्र शोक, पूर्व विधायक नांगेंद्र महतो ने दिया सांतवना

**बिस्ती(प्रभात मंत्र संचादनात)** : प्रब्रह्म क्षेत्र के पेशे व्यापार के ग्राम खैरगढ़वा निवासी भाजपा कार्यकर्ता सुरेन्द्र प्रसाद मां का 15 वर्षीय पुत्र श्रीकांत वर्मा का सेमान देवघर खंडवा रिहायल में इंस्पिटल में इलाज के दौरान निधन हो गया। भूतक विवर एक वर्ष से बीमार चल रहा था। शाम को गंभीर से परिवर्त शरीर का गंभीर लागा गया, जिसकी सुचना मिलते ही बोरर विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक नांगेंद्र महतो पर्विय शरीर का अंतिम दर्शन करने के लिए खैरगढ़वा पहुंच कर श्रद्धांजलि अंपिंत कर आकर संसार परिवर्तजनों को हिम्मत बोला। माँके पर जिला परिषद विवर बलू मंडल, पूर्व पुर्विय सुरज सुधन, सांसद प्रतिनिधि प्रशासन देवघर राणा, संसद प्रतिनिधि विक्रम तरवे, पूर्व पुर्विय कृष्ण, राज सहित अन्य लोग मौजूद थे।

## फागुन महोत्सव को लेकर सांवरो सेठ की निकली निशान पदयात्रा

**करतरास(प्रभात मंत्र संचादनात)** : फागुन महोत्सव को लेकर बुधवार को सांवरो सेठ संघ के तत्वाधान में बुधवार की प्रातः 5 बजे करतरास राणी सती दादी मंत्री करतरास के प्राग्राम से श्री सावरो सेठ निशान किया गया, जो शहर के प्रमुख मार्गों का प्रथमध्यम करते हुए करतरास नदी विवरो सर्व यात्रा, सिजुआ, लोयापार, करकोट, कंडेंग, होते हुए श्री स्वामी मंदिर, खानपाल भजन कीतन करते हुए चल रहे थे। निशान यात्रा में शामिल श्रद्धालु भजन कीतन करते हुए चल रहे थे। निशान यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया।

**भारत के सबसे बड़े व सबसे भरोसेमंद आटोसी एंसिड बांड इनो ने भारत में इनो ल्यूई बाइट्स को लॉन्च किया**

**धनबाद(प्रभात मंत्र संचादनात)** : हेलीऑन (तकालीन ग्रैन्सेसेमिथक्लाइन कंज्यूम हेच्येकर) के अग्रणी डाइजेस्टिव बांड, इनो ने अपनी तरह का प्रोटीन वाला एंसिड और इनो ल्यूई बाइट्स' पेश किया है, जो दो स्वादिष्ट प्लेटर, टैंगी लेपन और जर्सी अरेंज में उपलब्ध हैं। इनो ल्यूई बाइट्स के द्वारा भाजपा की निकली निशान पदयात्रा के लिए लोगों का एक बाइट्स ग्राहकों को मूल जरूरत का पूरा करते हैं, और सुविधा एवं आसानी से उपलब्ध है। अब इनो ल्यूई बाइट्स को खानपाल हो स्टोर्सेंट हो गया है। इनो ल्यूई बाइट्स चारांग और इनो के भरोसे के साथ तजीजी से एंसिडी दूर भगाएँ। इनो ल्यूई बाइट्स प्राकृतिक तत्वों से बने हैं। इनमें 1000 मिलीग्राम खट्टिका चूर्चा की शक्ति है, जो 1 मिनट के अंदर एंसिडी से राहत देती है। इनो ल्यूई बाइट्स पेट के तिप हल्के हैं, और इनका सेवन वयस्क एवं 12 साल से बड़े बच्चे कर सकते हैं। यह तीन आकार के पैक - सिंगल प्लेट पाठ्च, 10 बाइट्स के पैक और 30 बाइट्स के पैक में उपलब्ध है।

**Available in two exciting flavours!**



भरोसेमंद साथी है, जो एंसिडी से तुरंत राहत देता है। नए इनो ल्यूई बाइट्स का प्रोटीन वाला एंसिड और इनो ल्यूई बाइट्स' पेश किया है, जो दो स्वादिष्ट प्लेटर, टैंगी लेपन और जर्सी अरेंज में उपलब्ध हैं। इनो ल्यूई बाइट्स के द्वारा भाजपा की निकली निशान पदयात्रा के लिए लोगों का एक बाइट्स ग्राहकों को मूल जरूरत का पूर्व मुख्य प्रतिनिधि बैजनाथ प्रसाद यादव, मंदीलालपांह मुख्य यात्रा के दूसरी वर्षा वर्षमें लोगों के लिए उपलब्ध है। इनमें 1000 मिलीग्राम खट्टिका चूर्चा की शक्ति है, जो 1 मिनट के अंदर एंसिडी से राहत देती है। इनो ल्यूई बाइट्स पेट के तिप हल्के हैं, और इनका सेवन वयस्क एवं 12 साल से बड़े बच्चे कर सकते हैं। यह तीन आकार के पैक - सिंगल प्लेट पाठ्च, 10 बाइट्स के पैक और 30 बाइट्स के पैक में उपलब्ध है।

**उद्धना से बरौनी एवं समर्तीपुर के लिए 02 जोड़ी होली स्पैशल ट्रेन का परिपालन**

**प्रभात मंत्र संचादनात**

हाजीपुर : होली के अवसर पर

पूर्व में घोषित ट्रेनों के अलावा और

02 जोड़ी होली स्पैशल ट्रेनें (जबलपुर-प्रयागराज छिको-डीडीयू-पार्टीपुर-हाजीपुर के गारसे) - गाड़ी सं. 09097 उधना-बरौनी स्पैशल उधना से 21 मार्च (गुरुवार) को 11.00 बजे प्रस्थान कर शुरू करते हुए 18.00 बजे उधना गाड़ी सं. 09090/090910 को 11.00 बजे प्रस्थान करते हुए 18.00 बजे उधना गाड़ी सं. 09097 जोड़ी होली स्पैशल उधना से 21 मार्च (गुरुवार) को 10.00 बजे उधना गाड़ी सं. 09098 बरौनी-उधना स्पैशल बरौनी से 22 मार्च, 2024 (पुकवार) को 23.00 बजे प्रस्थान कर शनिवार को 01.10 बजे पाटलिपुर रुकते हुए रविवार को 10.00 बजे उधना गाड़ी सं. 09099 उधना-बरौनी स्पैशल उधना से 22 मार्च (गुरुवार) को 22.10 बजे प्रस्थान कर रविवार को 02.20 बजे पाटलिपुर रुकते हुए 05.30 बजे समस्तीपुर पहुंचेंगी। गाड़ी सं. 09010 समस्तीपुर-उधना स्पैशल समस्तीपुर से 24 मार्च, 2024 (रविवार) को 07.30 बजे प्रस्थान कर 10.20 बजे पाटलिपुर रुकते हुए सोमवार को 17.00 बजे उधना पहुंचेंगी। गाड़ी सं.

स्पैशल ट्रेनें चलायी जाएंगी।

1.गाड़ी सं. 09097/09098 उधना-बरौनी-उधना स्पैशल (जबलपुर-प्रयागराज छिको-डीडीयू-आरा-पाटलिपुर-हाजीपुर के गारसे) - गाड़ी सं. 09097 उधना-बरौनी स्पैशल उधना से 21 मार्च (गुरुवार) को 11.00 बजे प्रस्थान कर शुरू करते हुए 18.00 बजे उधना गाड़ी सं. 09090/090910 को 11.00 बजे प्रस्थान करते हुए 18.00 बजे उधना गाड़ी सं. 09097 जोड़ी होली स्पैशल उधना से 21 मार्च (गुरुवार) को 10.00 बजे उधना गाड़ी सं. 09098 बरौनी-उधना स्पैशल बरौनी से 22 मार्च, 2024 (पुकवार) को 23.00 बजे प्रस्थान कर शनिवार को 01.10 बजे पाटलिपुर रुकते हुए 05.30 बजे समस्तीपुर पहुंचेंगी। गाड़ी सं. 09010 समस्तीपुर-उधना स्पैशल समस्तीपुर से 24 मार्च, 2024 (रविवार) को 07.30 बजे प्रस्थान कर 10.20 बजे पाटलिपुर रुकते हुए सोमवार को 17.00 बजे उधना पहुंचेंगी। गाड़ी सं.

स्पैशल ट्रेनों का कार्यक्रम

जोड़ी होली स्पैशल ट्रेनों के अलावा और

उत्तराखण्ड के अलावा और

उत्तराखण



